समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2024–2025

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2024 सत्र – 31 मार्च,2025

जनवरी,2025 सत्र – 30 सितम्बर,2025

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (प्रथम वर्ष) में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।

  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में समाज कार्य के इतिहास का पता लगाएँ। 20

अथवा

समाज क्रिया को परिभाषित करें। सामाजिक क्रिया के प्रमुख घटकों पर उदाहरणों सहित चर्चा करें। 20

2) समाज कार्य में पारिस्थितिकी तंत्र सिद्धांत के विकास पर चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में समाज कार्य शिक्षा में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के इतिहास का पता लगाएँ। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) व्यवहार के प्रतिमान में समाज कार्य अनुसंधान पद्धति के योगदान की व्याख्या करें। 10

ख) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास के बीच अंतर बताएँ। 10

ग) समाज कल्याण प्रशासन के व्यवहार की संक्षेप में रूपरेखा बनाएँ। 10

घ) उदाहरण सहित सामाजिक वैयक्तिक कार्य के दायरे पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य पेशे की विशेषताएँ क्या हैं? 5

ख) सामाजिक समूह कार्य की उत्पत्ति का वर्णन करें। 5

ग) समाज कार्य के उद्देश्यों की सूची बनाएँ। 5

घ) समाज कार्य ज्ञान के स्वदेशीकरण को परिभाषित करें। 5

ङ) NASW आचार संहिता को सूचीबद्ध करें। 5

च) एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं पर प्रकाश डालें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) धर्मार्थ संगठन 4

ख) सामाजिक न्याय 4

ग) सामाजिक सुरक्षा 4

घ) सामाजिक कल्याण 4

ङ) सामाजिक सुधार आंदोलन 4

च) सामाजिक कानून 4

छ) सामाजिक सुरक्षा 4

ज) सामाजिक नेटवर्क 4

व्यावसायिक समाज कार्यः भारत परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) उत्तर–गाँधीवादी काल में गाँधीवादी समाज कार्य के विकास और प्रभाव का वर्णन करें। 20

अथवा

समाज कार्य शिक्षा और साहित्य विकास के चरणों की व्याख्या करें। 20

2) नीति निर्माण और विकास में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा करें। उदाहरण दें। 20

अथवा

जैन धर्म और समाज कार्य को उपयुक्त उदाहरणों के साथ परिभाषित करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) उपयुक्त उदाहरणों के साथ समाज कार्य को करियर के रूप में परिभाषित करें। 10

ख) भारतीय समाज में सामाजिक सुधार आंदोलन के प्रभाव पर चर्चा करें। 10

ग) जैन धर्म के मूल आदर्शों की व्याख्या करें। 10

घ) राष्ट्रीय विकास परिषद क्या है? चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) योजना आयोग के कार्यों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

ख) एनएपीएसडब्ल्यूआई के उद्देश्य क्या हैं? संक्षेप में समझाइए। 5

ग) समाज कार्य अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। 5

घ) लोगों के कल्याण के संबंध में हिंदू धार्मिक संगठनों के प्रयासों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

ङ) हिंदू धर्म और समाज कार्य को परिभाषित कीजिए। 5

च) बौद्धों की सामुदायिक सेवाओं और विकास के बारे में विस्तार से बताइए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

क) बौद्ध धर्म में हिंसा और अहिंसा 4

ख) समाज कार्य 4

ग) समाज कार्य की सेटिंग 4

घ) शिक्षा में समाज कार्य 4

ङ) सामाजिक नीति 4

च) पंचवर्षीय योजनाएँ 4

छ) गांधीवादी समाज कार्य 4

ज) सामाजिक कार्यकर्ता की छवि 4

समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारतीय परिदृश्य में क्षेत्र प्रशिक्षण में समस्याओं पर चर्चा करें। 20

अथवा

व्यक्तियों, परिवारों और समूहों के साथ काम करने में सीखने की अपेक्षाओं को प्रस्तुत करें। 20

2) सामान्य तनाव, उसके प्रभाव और तनाव से निपटने के तरीकों पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

स्वास्थ्य देखभाल समाज कार्य में अभ्यास के क्षेत्रों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) चर्चा करें कि किसी को समाज कार्य अभ्यास के लिए खुद को कैसे तैयार करना है। 10

ख) समाज कार्य अभ्यास में छात्रों की सीखने की अपेक्षाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से लिखें। 10

ग) पर्यवेक्षण के मॉडल की व्याख्या करें? 10

घ) सुधारात्मक सेटिंग में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिकाएँ क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्य अभ्यास में अंतःविषय अभ्यास और शिक्षा की आवश्यकता का उल्लेख करें। 5

ख) अभ्यास में सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा लागू किए जाने वाले सिद्धांतों की व्याख्या करें। 5

ग) पर्यवेक्षण में संघर्ष से निपटने के तरीके का वर्णन करें। 5

घ) फील्ड प्रैक्टिकम की निगरानी में महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालें। 5

ङ) छात्रों के मूल्यांकन मानदंडों पर चर्चा करें। 5

च) स्कूल सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) दूरस्थ शिक्षा प्रणाली 4

ख) एजेंसी–ग्राहक संबंध 4

ग) समाज कार्य प्रैक्टिकम में अभिविन्यास 4

घ) संकाय पर्यवेक्षक की भूमिका 4

ङ) उपदेशात्मक पर्यवेक्षण 4

च) जेनोग्राम और इकोमैप 4

छ) कॉर्पोरेट क्षेत्र 4

ज) दाता एजेंसियाँ 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य की एक पद्धति के रूप में सामाजिक समूह कार्य के विकास को रेखांकित करें। 20

अथवा

भारतीय संदर्भ में प्रासंगिक सामाजिक समूह कार्य के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या करें। 20

2) समूह निर्माण के लिए मुख्य दिशा–निर्देशों पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य का अभ्यास करने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीक पर प्रकाश डालें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) समूहों को परिभाषित करें और समूहों की विशेषताओं पर चर्चा करें। 10

ख) भारतीय संदर्भ में समूह कार्य के लाभ और हानियाँ बताएँ। 10

ग) सामाजिक समूह कार्य में कार्यक्रम नियोजन से आप क्या समझते हैं? 10

घ) सुधारात्मक सेटिंग्स में सामाजिक समूह कार्य के महत्व पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सामाजिक समूह कार्य में समूह जीवन चक्र के महत्व पर चर्चा करें। 5

ख) उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से सामाजिक अधिगम सिद्धांत की व्याख्या करें। 5

ग) समूह विकास के चरणों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

घ) सामाजिक समूह कार्य में रिकॉर्ड रखने के महत्व की व्याख्या करें। 5

ङ) भारत में स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को क्या लाभ हैं? 5

च) सामाजिक क्रिया समूह से आप क्या समझते हैं? भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) विषमस्तरीय (वर्टिकल) समूह 4

ख) स्वयं सहायता समूह 4

ग) सामाजिक अधिगम सिद्धांत 4

घ) समूह गतिशीलता 4

ङ) पारस्परिक उत्तरदायित्व 4

च) सतत वैयक्तिकरण 4

छ) सहानुभूति 4

ज) जीवन कौशल शिक्षा

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कल्याण प्रशासन के दायरे की व्याख्या करें। 20

अथवा

अपने शब्दों में समुदाय को परिभाषित करें। समाज कार्य व्यवसायियों द्वारा समुदाय को समझने में उपयोग किए जाने वाले तीन दृष्टिकोणों पर संक्षेप में चर्चा करें। 20

2) सामाजिक क्रिया के विभिन्न मॉडलों और उनकी विशेषताओं का वर्णन करें। 20

अथवा

भारत में समाज कल्याण प्रशासन के इतिहास का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक संगठन के चरणों पर प्रकाश डालें। 10

ख) आप सामाजिक क्रिया के गांधीवादी मॉडल से क्या समझते हैं? व्याख्या करें। 10

ग) जनजातीय क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की व्याख्या करें। 10

घ) उपयुक्त उदाहरणों के साथ ग्रामीण समुदायों की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक आयोजक की भूमिकाओं पर चर्चा करें। 5

ख) लिंग संवेदनशील सामुदायिक संगठन अभ्यास की व्याख्या करें। 5

ग) भारत में एक झुग्गी समुदाय की विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

घ) समाज कल्याण प्रशासन की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) सामाजिक क्रिया में रणनीतियाँ क्या हैं? 5

च) सामुदायिक संगठन से जुड़े अंतर्निहित मूल्यों की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) विमुक्त जनजाति 4

ख) नातेदारी 4

ग) सामाजिक अंकेक्षण 4

घ) लोगों की भागीदारी 4

ङ) समाज कल्याण प्रशासन का दायरा 4

च) शहरीकरण 4

छ) सामाजिक क्रिया की नैतिकता 4

ज) सामाजिक क्रिया का गाँधीवादी मॉडल 4